शादी के बाद की पेहली रात

मुफती अहमद खानपुरी द.ब.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

इहयाउल उलुम में संभोग के मुताल्लिक कुछ आदाब लिखे हे जो इस तरह हे;

1. अल्लाह का नाम लेकर शुरू करना मुस्तहब हे, सुरे इखलास, अल्लाहु अकबर और लाइलाहा इल्लल्लाहो पढ कर-

‘बिस्मील्लाही अलिय्यील अजीम अल्लाहुमा इजअहला जुर्रिय्यतन तय्यिबतन ईन कुन्त कद्दरता अन तुखरिज जालिक मिन सुलबी’

पढे, जब दुल्हा पेहली बार अपनी दुल्हन के पास पोहचे तो दुल्हन की पेशानी के उपर के बाल पकड कर यह दुआ पढे-

'अल्लाहुम्म इननी असअलुक खैरहा व खैर माफीहा व आउजुबिक मिन शर्रिहा व शर्रि माफीहा'.

तर्जुमा- ऐ अल्लाह में तुझ से उसकी भलाई और उसकी आदात व अखलाक की भलाई का सवाल करता हू और उसकी बुराई और उसकी आदात व अखलाक की बुराई से तेरी पनाह मांगता हू. [अबू दाउद, इबने सिनी 553.]

जब संभोग का इरादा करे तो यह दुआ पढले वरना शैतान

का नुतफा भी मर्द के नुतफा के साथ अन्दर चला जाता हे और औलाद शैतान की खसलतो में मुबतला होगी, दुआ यह हे-

'बिस्मिल्लाही अल्लाहुम्म जन्निबिनश्शैतान मा रजकतना'

तर्जुमा- में अल्लाह पाक का नाम लेकर यह काम करता हु और ऐ अल्लाह हम को शैतान से बचा और जो औलाद तु हम को दे उसको भी शैतान से दूर रख.

नोट- इस दुआ को पढ लेने के बाद जो औलाद होगी उसको शैतान कभी जरर न पहुंचा सकेगा.

[बुखारी जि.2, स.945, इबने अबी शीबा स.394]

इन्जाल के वकत यह दुआ दिल में पढे-

‘अल्लाहुम्म ला तजअल लिश्शैतानी फीमा रजकतना नसीबा’

तरजुमा- ऐ अल्लाह जो आप ने हमें नवाजा हे उस में शैतान का हिस्सा न बना. [इबने अबी शीबा जि.10, स.395]

2. संभोग के वकत किबले की तरफ से रूख फेरले, किबले की तरफ रूख रखकर संभोग न करे.

3. खुद को और अपनी बीवी को चद्दर से धाकलो, खुल्ले नंगे बदन से संभोग न करे.

4. संभोग से पेहले मोहब्बत की बाते, चुम्बन, यौन क्रिया से खुद को और बीवी को संभोग से पहले तय्यार करलो, बगैर पूर्व तय्यारी के संभोग करना हदीस में पसन्द करने में नही आया. नोट- आज के जमाने में पूर्व तय्यारी के बुनियाद पर औरत मर्द के गुप्त अंग को मुह में लेती हे, या मर्द ऐसा करने की लिए औरत को मजबूर करता हे, इसी तरह मर्द औरत की शर्मगाह की चूमा चाटी करता हे, यह बेहद बेहयाई और शरिआत की तालीम के बिलकुल विरूद्ध क्रिया हे. मुह और जबान जेसे अंग से शर्मगाह को चाटना चुसना जनवारो और वोह भी कुत्ते जैसा तुच्छ जानवार की क्रिया हे. इन्सान को अल्लाह ने तमाम मख्लूको में सबसे आला बनाया हे. इस तरह की क्रिया से खुद को बचाना जरूरी हे.

5. मर्द को जब इनजाल हो जाये तो अपने लिंग को फौरन जगह में से नही निकलना चाहिये जब तक औरत की जरूरत पूरी न हो जाये औरत को भी इनजाल होता हे. ये इसलिये की कई बार औरत को इनजाल देर से होता हे, और मर्द अपनी जरूरत से पेहले फरीक हो के हट जाता हे ये औरत के दुखदायक बनता हे और लगातार इस तरह होने से औरत के दिमाग में मर्द के लिया नफरत पैदा होने

लगती हे.

6. कितने उलमा ओ ने चांद के महीने की शुरू की, दरमियानी और आखरी ये तीन रातो में संभोग पसन्द नही किया.

7. जुम्मे की रात या दिन (जुम्मे की नमाज से पेहले) कितने उलमा ओ ने संभोग को मुस्तहब लिखा हे.

8. चार रात के बाद एक बार सोहबत करना न्याय करना हुवा. लेकिन खुद की या औरत की जरुरत के मुताबिक इस मुद्दत में कमी ज्यादती कर सकते हे. औरत की पाकीजगी सलामत रहे इस तरह उससे संभोग करते रहना वाजिब हे.

9. एक बार संभोग करने के बाद दूसरी संभोग करना हो तो अपने लिंग को धोलो, बल्के वुजू करना बेहतर हे.

जरूरी मसाइल

सवाल 1. बहुत सी जगह पर खास दोस्तों रात को दूल्हा दुल्हन के रूम को देखने जाते हे. या फिर छुप कर या दुसरे पेतरे रचाकर रूम में देखने की कोशिश करते हे, तो ये दखना कैसा हे?

जवाब 1. यह बहुत ही गुनाहहित और तिरस्कार क्रिया

हे. किसी मुस्लिम मर्द और औरत के गुप्तअंगो और सतर को इस तरह जाक के देखना इस्लामी तालीम की तौहीन हे. सामान्य हालत मे भी किसी के घर जाना हो तो परमिशन, इजाजत लिये बगैर घर में दाखिल होने कुर्रान में मना फरमाया हे, हदीस में रसूलुल्लाह सल्ललाहु अलयही वसल्लम फरमाते हे परमिशन, इजाजत लेना इस लिए जरूरी हे की निगाह किसी गलत जगह पर न पडे एक शख्स रसूलुल्लाह सल्ललाहु अलयही वसल्लम के रूम के दरवाजे के तिराड में से देखने की कोशिश की तो आप सल्ललाहु अलयही वसल्लम हाथ में लोखंड के नोकीले चीज को लेकर खडे हो गये के फिर से देखा तो उसकी आंखो को फोड दे. [बुखारी], इस तरह देखने वाले की आंखे फोड की जरुरत आने पर शरिआत ने इजाजत दि हे. इस तरह की क्रिया इस्लाम के लिया बदनुमादाग हे इस को जल्द से जल्द छोड ना जरूरी हे, हदीस में लानात आयी हे.

सवाल 2. शादी की पेहली रात के बाद सुबह लडके के दोस्तों और लडकी के सहेलियों को रात की कारगुजारी सुनने के शौकीन होते हे, तो दोनों से रात की बातो को सुनना या सुनाना कैसा हे?
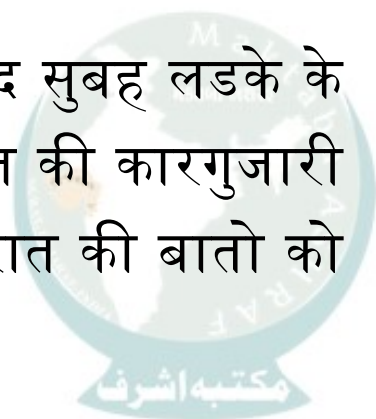
जवाब 2. यह बहुत ही बेशर्मी और गुनाहित काम हे. सुनेवाला और सुनानेवाला और इसका शौक रखने वाले सब सख्त गुनेहगार हे. हदीस में रसूलुल्लाह सल्ललाहु अलयही वसल्लम का इरशाद हे के अल्लाह अल्लाह के यह सबसे बडी अमानत जिसमे इन्सान खियानत करे वह यह की रात को अपनी बीवी के साथ संभोग करे और ये छुपी बात लोगों के सामने बयान कर. दूसरी रिवायत के मुताबिक कियामत के दिन अल्लाह के वहा सबसे बुरा मर्द (या औरत) वह होगे जो अपनी औरत (या शोहर) के साथ संभोग करे और फिर ये भेद की बाते लोगों के सामने सुनाये. [मिशकात]

ये हया और शर्म के लिये घातक रिवाज से बचना बहुत जरूरी हे.

फकत अल्लाह ही ज्यादा जानने वाला हे.

हवाला: शादी पछीनी पेहली रात [गुजराती में से खुलासा]
लेखक: मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.
ता. १२-६-१४१७ हिजरी.